done by your predecessors—whether in V. P. Singh's Government or in Shri Rajiv Gandhi's Government—that will continue.

SHRI CHINTA MOHAN: Sir, the suggestion given by...

SHRI YASHWANT SINHA: This is the first time when we are beginning to here the doctrine of 'starting'.

SHRI CHINTA MOHAN: On the suggestion given by the hon. Member to go through the World Bank report, I will definitely...

MR. CHAIRMAN: You study it. (*Interruptions*). Mr. Jadhav.

SHRI N.K.P. SALVE: This is not fair. My respectful submission is...

MR. CHAIRMAN: You cannot interpret him.

SHRI N. K. P. SALVE: It is the property of the House. You have put the question properly. Let him answer.

MR. CHAIRMAN: I have not permitted you. Mr. Jadhav.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: Sir, in the reply it is mentioned that for Haldor Topsoe for ammonia and Snamprogetti for urea annual production capacity was 684,000 milion tonnes. It was commissioned in 1985 with the approved cost of Rs. 919 crores. The total capacity of Hazira project was 668,000 million tonnes in 1986 with the approved cost of Rs. 957.70 crores. But in spite of that both these projects have been commissioned at a cost of Rs. 890 crores. That means we have commissioned these fertilizers plants at a less cost than the approved cost. I would like to know, when the capacity of snamprogetti plant is 683 thousand tonnes and of the other one is 668 thousand tonnes, how the same cost has been arrived at Rs. 890 crores. One project was commissioned in 1985 and the other was commissioned in 1986. I would also like to know, when ammonia and urea both are the contents of nitrogen fertilizer, that is, the total production of nitrogen is either in the form of urea or ammonia, what is the quantum of nitrogen manufactured from ammonia at the Thal project, and what quantum of nitrogen is manufactured from ammonia and urea respectively at Hazira project.

SHRI CHINTA MOHAN: Last year, for Thal project, with the Haldor Topso technology, they produced at the rate of about 6.8 lakh tonnes per annum of nitrogen. The hon. Member asked about the Hazira plant. It is manufacturing about 6.6 lakh tonnes per annum.

MR. CHAIRMAN: He wanted to know separately about nitrogen manufactured from urea and ammonia.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: The cost of production is same. Why should the cost not be different when the capacity of one project is more than the other? It is a very simple question I have asked.

SHRI CHINTA MOHAN: The question here is about technology. The hon. Member is asking about mitrogens, and I will need a separate notice for it.

SHRI VITHALRAO MADHAVARAO JADHAV: I am putting this question based on your own reply. I am not asking anything from outside. This is from your own reply. This is a very specific and a technical question. Hon. Minister must come prepared to reply.

MR. CHAIRMAN: Next quesion, 104.

आकाशवाणी के इलाहाबाद केन्द्र के उन्नयन की योजना

*104. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय:** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या आकाशवाणी के इलाहाबाद केन्द्र के 1 कि वा० ट्रांसमीटर का दर्जा बढ़ाने की कोई योजना है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) उसे कब तक कार्य रूप दिया जाएगा?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उप मंत्री (कुमारी गिरिजा व्यास) : (क) से (ग) आकाशवाणी इलाहाबाद के मौजूदा 1 कि.वा. मी. वेव ट्रांसमीटर का उन्नयन कर उसकी शक्ति 20 कि.वा. करने की अनुमोदित योजना है। इमारत के सिविल निर्माण कार्य का ठेका दिया जा चुका है। ट्रांसमीटर का उन्नयन तकनीकी रूप से 1993-94 के दौरान पूरा हो जाने की परिकल्पना की गई है।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : सभापति जी, मैं यह जानना चाहता हूं कि इमारत के सिविल निर्माण कार्य का ठेका कब दिया गया? इसकी पूरी लागत की धनराशि कितनी है और यह इमारत कब तक पूरी बन जाने की आशा है?

कुमारी गिरिजा व्यास : महोदय, वर्तमान ठेका अक्तूबर, 1991 को, अभी दिया गया है और कांट्रेक्ट की लागत तीस लाख है।

यह इमारत करीब बारह महीने में पूरी होगी, लेकिन पूरी स्कीम, जैसा मैंने कहा, 1993-94 में पूरी होगी।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : महोदय, आकाशवाणी की एक योजना होती है साईस सेल की और इस समय देश भर में इकतीस आकाशवाणी के ऐसे स्टेशंस हैं, जहां साईस सेल हैं। उनके जरिए साइंटिफिक सूचना दी जाती है।

उत्तर प्रदेश में यह जो इकतीस आकाशवाणी के स्टेशन हैं, इसमें उत्तर प्रदेश में केवल लखनऊ में है। तो मैं जानना चाहता हूं कि क्या कोई साईस सेल की योजना प्रारंभ करने का इरादा सरकार का है और यदि नहीं है, तो मेरे सुझाव पर विचार करके क्या इस योजना पर विचार किया जाएगा?

कुमारी गिरिजा व्यास : अभी तो साईस सेल का कोई इरादा नहीं है, लेकिन आपके परामर्श पर निश्चित रूप से विचार किया जा सकता है।

श्रीमती वीणा वर्मा : मान्यवर, मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहती हूं कि हमारे देश में आकाशवाणी केंद्रों का एक बहुत बड़ा जाल सा बिछा हुआ है। लेकिन देखा यह गया है कि क्षेत्रीय आकाशवाणी के केंद्र जो हैं, उनका प्रसारण दिल्ली में या दूसरे राज्यों में सुनाई नहीं पड़ता। यह ट्रांसमीटर जो हैं, वह बहुत कम शक्तिशाली हैं।

तो क्या सरकार के पास ऐसी कोई योजना है जिससे क्षेत्रीय आकाशवाणी केंद्रों का प्रसारण दिल्ली और अंतर्राज्यीय केंद्रों में सुनाई पड़े, इस तरह की कोई योजना है और यदि है, तो मध्य प्रदेश के लिए कौनसे ट्रांसमीटर की पहली योजना है और वह कब तक पूरी कर ली जाएगी?

कुमारी गिरिजा व्यास : माननीय सभापति महोदय, वित्तीय साधनों की कमी के कारण और दूसरे अन्य कारणों से यह एकदम संभव नहीं है कि सारे क्षेत्रीय प्रसारणों को यहां पर सुना जा सके। लेकिन जैसे-जैसे वित्तीय साधन उपलब्ध होते जा रहे हैं, वैसे-वैसे क्षेत्रीय प्रोग्राम्ज को भी यहां पर और केन्द्रीय प्रोग्राम्ज को भी क्षेत्रीय स्थानों पर सुना जा सके, ऐसी व्यवस्था की जा रही है। जैसा कि मूल प्रश्न में भी था, इसी तरह धीरे-धीरे एक किलोवाट से बीस किलोवाट तक अनेक स्थानों पर किया जा रहा है। मध्य प्रदेश में भी मेरे पास पूरी लिस्ट तो अभी नहीं है, लेकिन मध्य प्रदेश में भी इस प्रकार की अनेक योजनाएं हैं और हमारा उद्देश्य निश्चित रूप से क्षेत्रीय प्रसारणों को भी पूरा महत्व देने का है।

श्रीमती वीणा वर्मा : क्या कोई प्राथमिकता की सूची आपके पास है?

कुमारी गिरिजा व्यास : मैं सूची आपको प्रस्तुत कर दूंगी।

*105. [The questioners (Shrimati Bijoya Chakravarty and Chowdhary Ram Sewek were absent. For answer vide col. 87-43 infra]